चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.3.26	1	1-4

सिटी एंकर एचएयू में ब्रेन स्टोरमिंग सत्र में प्रो. कॉम्बोज सहित विशेषज्ञों ने रखे विचार

माइक्रोप्लास्टिक सेहत और फसलों के लिए बना बड़ा खतरा पौधों के टिशू तक पहुंच रहा प्लास्टिक, पैदावार भी गिर रही

भास्कर न्यूज | हिसार

जो प्लास्टिक हमारी सुविधा के लिए बना था, वह अब सूक्ष्म कणों के रूप में हमारे शरीर और मिट्टी को बीमार कर रहा है। एचएयू के कृषि कॉलेज में माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असर विषय पर एक विशेष मंथन सत्र में वैज्ञानिकों ने यह विचार रखे।

एचएयू में कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बीआर काम्बोज।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक अब हमारी फूड चेन का हिस्सा बन चुका है। यह न केवल पानी की बोतलों और पैकेज्ड फूड में है, बल्कि हवा और नमक के जरिए भी शरीर में जमा हो रहा है। उन्होंने जोर दिया कि अब केवल जागरूकता से काम नहीं चलेगा, बल्कि विज्ञान आधारित कड़े कदम उठाने होंगे। कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया से एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन ऑफिसर राजेश जलोटा ने ऑनलाइन माध्यम से विचार रखे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने सभी का स्वागत किया। डॉ. विनोद गोयल, डॉ. प्रियदर्शन हरि और डॉ. राजेश जलोटा सहित कई वैज्ञानिक मौजूद रहे।

प्लास्टिक फूड चेन के जरिए इंसानों तक पहुंच रहा

यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया कनाडा से आए प्रो. देवकी नंदन ने बताया कि माइक्रोप्लास्टिक पौधों की जड़ों के साथ इंटरैक्ट कर उनके टिशू के अंदर तक जा रहा है। इससे फसल की पैदावार गिर रही है और यही प्लास्टिक फूड चेन के जरिए इंसानों तक पहुंच रहा है। उन्होंने बायोलॉजिकल सैंपल में माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाने के लिए एडवांस्ड एनालिटिकल टेक्नीक पर चर्चा की और इस चुनौती से निपटने के लिए रिसर्च कोलेबोरेशन पर जोर दिया।

विशेषज्ञों ने सत्र में यह रखे बचाव के लिए सुझाव

- **स्टील/कांच अपनाएं:** प्लास्टिक की बोतलों की जगह कांच या स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल करें।
- **माइक्रोवेव में सावधानी:** प्लास्टिक के बर्तनों में खाना गर्म करने की गलती कभी न करें।
- **ताजा भोजन:** पैकेज्ड फूड की जगह ताजी सब्जियां व फल चुनें।
- **फिल्ट्रेशन:** पीने के पानी के लिए उच्च गुणवत्ता वाले फिल्टर लगाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.3.26	4	6-8

मानव शरीर में जमा हो रहे माइक्रोप्लास्टिक : वीसी

माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की सेहत पर असर विषय पर मंथन

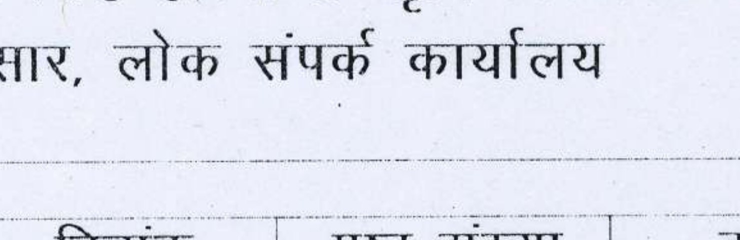
कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज कांबोज । स्रोत : आयोजक

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वीरवार को आयोजित मंथन सत्र में कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक के सूक्ष्म कण धीरे-धीरे मानव शरीर में जमा हो रहे हैं जो आगे चलकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। प्लास्टिक जीवन को आसान बनाने के बजाय अब मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान तथा पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग की ओर से माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की सेहत पर असर विषय पर मंथन सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. कांबोज मुख्य अतिथि रहे जबकि कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय से प्रो. देवकी नंदन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रो. कांबोज ने बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि प्लास्टिक की जगह कांच या इस्पात की बोतलों का प्रयोग करें। प्लास्टिक के बर्तनों में भोजन गर्म करने से बचें और पैक भोजन के बजाय ताजा भोजन को प्राथमिकता दें। पीने के पानी के लिए बेहतर जल शोधक का उपयोग करना चाहिए। इस समस्या से निपटने के लिए शोधकर्ताओं और नीति निर्धारकों को मिलकर कार्य करना होगा।

प्रो. देवकी नंदन ने पौधों की जड़ों के साथ माइक्रोप्लास्टिक के संपर्क, पौधों के ऊतकों में उनके संचरण तथा फसल उत्पादन और खाद्य श्रृंखला पर इसके संभावित प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने जैविक नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की पहचान के लिए उन्नत विश्लेषण विधियों पर भी चर्चा की और इस वैश्विक पर्यावरणीय चुनौती से निपटने के लिए भारत और कनाडा के बीच बहु-विषयक शोध सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया से पर्यावरण संरक्षण अधिकारी राजेश जलोटा ने ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के डॉ. प्रियदर्शन हरि सहित अनेक शोधार्थी, वैज्ञानिक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	6.3.26	5	1-5

प्लास्टिक का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, इसका प्रयोग कम से कम करें : प्रो. काम्बोज

हिसार, 5 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में बॉटनी और प्लांट फिजियोलॉजी विभाग द्वारा 'माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असर' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज काम्बोज मुख्यातिथि रहे। जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा से प्रो. देवकी नंदन विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में बॉटनी, प्लांट फिजियोलॉजी, एनवायरनमेंटल साइंस, फिशरीज़, एग्रीकल्चर और बायोटेक्नोलॉजी सहित अलग-अलग विषयों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि प्लास्टिक, इंसान ४

की जिंदगी को आसान बनाने की बजाए हमारी सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है। माइक्रोप्लास्टिक दो शब्दों से मिलकर बना है माइक्रो-बेहद छोटा तथा प्लास्टिक यानि कृत्रिम पॉलीमर पदार्थ। पानी की बोतल, पैकेज्ड फूड और प्लास्टिक बैग में मौजूद सूक्ष्म कण, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है, धीरे-धीरे हमारे शरीर में जमा हो रहे हैं और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक पौधों के विकास को भी काफी हद तक प्रभावित करते हैं जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य व फसल की पैदावार पर असर पड़ता है। रोजाना यह कण न केवल खाने और पानी के जरिए शरीर में प्रवेश कर रहे हैं, बल्कि हवा और यहां तक कि नमक में भी मौजूद हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स से बचाव के लिए हम प्लास्टिक की बजाय कांच या स्टेनलेस स्टील की बोतल का प्रयोग कर सकते हैं। प्लास्टिक के बर्तनों में खाना गर्म करने से बचें तथा पैकेज्ड भोजन की अपेक्षा ताजा भोजन चुनें। पीने के पानी के लिए उच्च गुणवत्ता वाले फिल्टर लगाएं। कुलपति ने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक को कम करने के लिए शोधकर्ताओं और नीति निर्धारकों को मिलकर काम करने की जरूतर है। जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर देखते हैं, हमें जागरूकता से आगे बढ़कर एक्शन लेने लायक, साइंस-बेस्ड ज्ञान को लागू करना होगा। डॉ. देवकी नंदन ने पौधों की जड़ों के साथ माइक्रोप्लास्टिक के इंटरैक्शन, पौधों के टिशू के अंदर उनके ट्रांसलोकेशन और फसल की प्रोडक्टिविटी और फूड चेन ट्रांसफर पर इसके संभावित असर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बायोलॉजिकल सैंपल में माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाने के लिए एडवांस्ड एनालिटिकल टेक्नीक पर भी चर्चा की और इस ग्लोबल एनवायरनमेंटल चुनौती से निपटने के लिए भारत और कनाडा के बीच इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च कोलेबोरेशन के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन ऑफिसर राजेश जलोटा ने ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार रखे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। डॉ. विनोद गोयल ने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डॉ. प्रियदर्शन हरि और डॉ. राजेश जलोटा सहित कार्यक्रम में आए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता निदेशक, अधिकारी व वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6.3.26	4	1-2

प्लास्टिक का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, इसका उपयोग कम से कम करें : प्रो. काम्बोज

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिसार, 5 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में बॉटनी और प्लांट फिजियोलॉजी विभाग द्वारा 'माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असर' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज काम्बोज मुख्यातिथि रहे। जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा से प्रो. देवकी नंदन विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में बॉटनी, प्लांट फिजियोलॉजी, एनवायरनमेंटल साइंस, फिशरीज, एग्रीकल्चर और बायोटेक्नोलॉजी सहित अलग-अलग विषयों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि प्लास्टिक, इंसान की जिंदगी को आसान बनाने की बजाए हमारी सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है। माइक्रोप्लास्टिक्स से बचाव के लिए हम प्लास्टिक की बजाय कांच या स्टेनलेस स्टील की बोतल का प्रयोग कर सकते हैं। कुलपति ने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक को कम करने के लिए शोधकर्ताओं और नीति निर्धारकों को मिलकर काम करने की जरूरत है। डॉ. देवकी नंदन ने पौधों की जड़ों के साथ माइक्रोप्लास्टिक के इंटरैक्शन, पौधों के टिशू के अंदर उनके ट्रांसलोकेशन और फसल की प्रोडक्टिविटी और फूड चेन ट्रांसफर पर इसके संभावित असर के बारे में विस्तार से बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	6·3·26	8	3-4

प्लास्टिक का उपयोग कम करें: काम्बोज

हिसार, 5 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी विभाग की ओर से 'माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असर' विषय पर ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे, जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा के प्रो. देवकी नंदन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में बॉटनी, प्लांट फिजियोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान, फिशरीज, कृषि और बायोटेक्नोलॉजी से जुड़े वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि प्लास्टिक इंसान की जिंदगी को आसान बनाने के बजाय अब सेहत के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि पानी की बोतलों, पैकेज्ड फूड और प्लास्टिक बैग में मौजूद सूक्ष्म कण, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है, धीरे-धीरे शरीर में जमा होकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

उन्होंने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक का प्रभाव पौधों के विकास पर भी पड़ता है, जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य और फसल उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इन कणों से बचाव के लिए प्लास्टिक की बजाय कांच या स्टेनलेस स्टील की बोतलों का उपयोग करना चाहिए, प्लास्टिक के बर्तनों में खाना गर्म करने से बचना चाहिए और पैकेज्ड भोजन की जगह ताजा भोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रो. देवकी नंदन ने पौधों की जड़ों के साथ माइक्रोप्लास्टिक के प्रभाव, पौधों के ऊतकों में उनके संचरण तथा फसल उत्पादकता और फूड चेन पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने माइक्रोप्लास्टिक की पहचान के लिए उन्नत विश्लेषण तकनीकों पर भी चर्चा की और इस वैश्विक पर्यावरणीय चुनौती से निपटने के लिए भारत और कनाडा के बीच शोध सहयोग की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया से पर्यावरण संरक्षण अधिकारी राजेश जलोटा ने ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6.3.26	4	1-4

प्लास्टिक का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए घातक : कंबोज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में बाटनी और प्लांट फिजियोलाजी विभाग ने माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असर विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज मुख्यातिथि रहे। कनाडा की यूनिवर्सिटी आफ ब्रिटिश कोलंबिया के प्रो. देवकी नंदन विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में बाटनी, प्लांट फिजियोलाजी, एनवायरमेंटल साइंस, फिशरीज़, एग्रीकल्चर और बायोटेक्नोलाजी सहित अलग-अलग विषयों के विज्ञानियों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। कुलपति ने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक पौधों के विकास को भी काफी हद तक प्रभावित करते हैं। रोजाना यह कण न केवल खाने और पानी के जरिए शरीर में प्रवेश कर रहे हैं, बल्कि हवा और यहां तक कि नमक में भी मौजूद हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज कंबोज।

आनलाइन माध्यम से रखे विचार : कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से एनवायरमेंटल प्रोटेक्शन आफिसर राजेश जलोटा ने आनलाइन माध्यम से अपने विचार रखे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। डा. विनोद गोयल ने इंडियन इंस्टिट्यूट आफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलाजी के डा. प्रियदर्शन हरि और डा. राजेश जलोटा सहित कार्यक्रम में आए।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	6.3.26	12	3-8

संथन

हकृवि में 'माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असर' पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन

प्लास्टिक का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक : प्रो. काम्बोज

- कार्यक्रम में अलग-अलग विषयों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में बॉटनी और प्लांट फिजियोलॉजी विभाग की ओर से 'माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असर' पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा से प्रो. देवकी नंदन विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में बॉटनी, प्लांट फिजियोलॉजी, एनवायरनमेंटल साइंस, फिशरीज, एग्रीकल्चर और बायोटेक्नोलॉजी सहित अलग-अलग विषयों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि प्लास्टिक, इंसान की जिंदगी को आसान बनाने की बजाय हमारी सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है। माइक्रोप्लास्टिक दो शब्दों से मिलकर बना है माइक्रो-बेहद छोटा तथा प्लास्टिक यानि कृत्रिम पॉलीमर पदार्थ। पानी की बोतल, पैकेज्ड फूड और प्लास्टिक बैग में मौजूद सूक्ष्म कण, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है, धीरे-धीरे हमारे शरीर में जमा हो रहे हैं और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक पौधों के विकास

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बीआर काम्बोज।

फोटो : हरिभूमि

को भी काफी हद तक प्रभावित करते हैं जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य व फसल की पैदावार पर असर पड़ता है। इसलिए प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करे।

कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन ऑफिसर राजेश जलोटा ने ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार रखे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। डॉ. विनोद गोयल ने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डॉ. प्रियदर्शन हरि और डॉ. राजेश जलोटा सहित कार्यक्रम में आए सभी का आभार व्यक्त किया।

» संभावित असर बताया

डॉ. देवकी नंदन ने पौधों की जड़ों के साथ माइक्रोप्लास्टिक के इंटरैक्शन, पौधों के टिशू के अंदर उनके ट्रांसलोकेशन और फसल की प्रोडक्टिविटी और फूड चेन ट्रांसफर पर इसके संभावित असर के बारे में विस्तार से बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	05.03.2026	--	--

प्लास्टिक का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक इसका उपयोग कम से कम करें: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» हकृवि में 'माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असर' विषय पर ब्रेन स्टोरमिंग सत्र का आयोजन

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में बॉटनी और प्लांट फिजियोलॉजी विभाग द्वारा 'माइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असर' विषय पर ब्रेन स्टोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज काम्बोज मुख्यातिथि रहे। जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा से प्रो. देवकी नंदन विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में बॉटनी, प्लांट फिजियोलॉजी, एनवायरनमेंटल साइंस, फिशरीज, एग्रीकल्चर और बायोटेक्नोलॉजी सहित अलग-अलग विषयों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि प्लास्टिक, इंसान की जिंदगी को आसान बनाने की बजाए हमारी सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है। माइक्रोप्लास्टिक दो शब्दों से मिलकर बना है माइक्रो-बेहद छोटा तथा प्लास्टिक यानि कृत्रिम पॉलीमर पदार्थ। पानी की बोतल, पैकेज्ड फूड और प्लास्टिक बैग में मौजूद सूक्ष्म कण, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है, धीरे-धीरे हमारे शरीर में जमा हो रहे हैं और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक पौधों के विकास को भी काफी हद तक प्रभावित करते हैं जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य व फसल की पैदावार पर असर पड़ता है। रोजाना यह कण न केवल खाने और पानी के जरिए शरीर में प्रवेश कर रहे हैं, बल्कि हवा और यहां तक कि नमक में भी मौजूद हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स से बचाव के लिए हम प्लास्टिक की बजाय कांच या स्टेनलेस स्टील की बोतल का प्रयोग कर सकते हैं। प्लास्टिक के बर्तनों में खाना गर्म करने से बचें तथा पैकेज्ड भोजन की अपेक्षा ताजा भोजन चुनें। पीने के पानी के लिए उच्च गुणवत्ता वाले फिल्टर लगाएं। कुलपति ने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक को कम करने के लिए शोधकर्ताओं और नीति निर्धारकों को मिलकर काम करने की जरूतर है। जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर देखते हैं, हमें जागरूकता से आगे बढ़कर एक्शन लेने लायक, साइंस-बेस्ड ज्ञान को लागू करना होगा। डॉ. देवकी नंदन ने पौधों की जड़ों के साथ माइक्रोप्लास्टिक के इंटरैक्शन, पौधों के टिशू के अंदर उनके ट्रांसलोकेशन और फसल की प्रोडक्टिविटी और फूड चेन ट्रांसफर पर इसके संभावित असर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बायोलॉजिकल सैंपल में माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाने के लिए एडवांस्ड एनालिटिकल टेक्नीक पर भी चर्चा की और इस ग्लोबल एनवायरनमेंटल चुनौती से निपटने के लिए भारत और कनाडा के बीच इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च कोलेबोरेशन के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन ऑफिसर राजेश जलोटा ने ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार रखे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। डॉ. विनोद गोयल ने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डॉ. प्रियदर्शन हरि और डॉ. राजेश जलोटा सहित कार्यक्रम में आए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता निदेशक, अधिकारी व वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	06.03.2026	--	--

माइक्रोप्लास्टिक पर हकृवि में मंथन, स्वास्थ्य और फसलों पर असर पर चर्चा

■ इंसान और पौधों की सेहत को खतरा, प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करें: कुलपति

हिसार (सच कहूँ/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कृषि महाविद्यालय में बॉटनी व प्लांट फिजियोलॉजी विभाग की ओर से ह्यमाइक्रोप्लास्टिक का इंसान और पौधों की हेल्थ पर असरह्न विषय पर ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे, जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया (कनाडा) के प्रो. देवकी नंदन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। पानी की बोतलों, पैकेज्ड फूड और प्लास्टिक बैग में मौजूद सूक्ष्म कण माइक्रोप्लास्टिक के रूप में शरीर में जमा होकर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर रहे हैं। प्रो. देवकी नंदन ने पौधों की जड़ों के साथ माइक्रोप्लास्टिक के प्रभाव, उनके पौधों के ऊतकों में ट्रांसलेशन और फसल उत्पादन पर पड़ने वाले असर पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने माइक्रोप्लास्टिक की पहचान के लिए उन्नत तकनीकों और भारत-कनाडा के बीच शोध सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया।